झारखंड को समृद्ध बनाने को मिलकर काम करें: गवर्नर

सम्मेलन

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने क्षेत्रीय कौशल विकास व उद्यमिता निदेशालय, झारखंड सरकार और भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अप्रेंटिसशिप सम्मेलन को बुधवार को संबोधित किया। राज्यपाल ने झारखंड के सभी नागरिकों से कौशल और उद्यमशील कार्यबल बनाने के प्रयासों को सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने रोजगार के पर्याप्त अवसरों के साथ झारखंड को एक समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में मिलकर काम करने की अपील की। कहा कि झारखंड अपार संभावनाओं, प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध और क्षमतावान युवाओं वाला राज्य है। अपनी क्षमता का एहसास करने के लिए हमें अवसरों का इस्तेमाल करना होगा। आरडीएसडीई के तहत आत्मनिर्भर और युवाओं को कुशल बनाने का काम किया जा रहा है, जो राज्य के विकास में योगदान देगा। कहा कि अप्रेंटिसशिप एक ऐसा तरीका है जो उद्योग-संबंधित कौशल, ज्ञान और नौकरी से संबंधित कौशल, रोजगार कौशल हासिल करने में मदद करता है, यहां तक कि अपना उद्यम शुरू करने के लिए भी। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में यह अनिवार्य है कि हम युवाओं को उनके चुने हुए करियर में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करें। एमएसडीई युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईएम में अप्रेंटिसशिप सम्मेलन में बुधवार एक छात्र को सम्मानित करते राज्यपाल।

- आईआईएम में आयोजित अप्रेंटिसशिप सम्मेलन को राज्यपाल ने किया संबोधित
- कहा, युवाओं को करियर में सफल होने के लिए कौशल व ज्ञान से लैस करना होगा
- आईएसडीएस स्किलिंग, रिस्किलिंग व अपस्किलिंग की दिशा में काम करती है

'पीएम मोदी के नेतृत्व में युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है'

गवर्नर ने कहा कि 2018 में शुरू की गई भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के बारे में बात करते हुए बहुत खुशी हो रही है। आईएसडीएस युवाओं की मांग-आधारित स्किलिंग, रिस्किलिंग और अपस्किलिंग के माध्यम से भारत को दुनिया का स्किल हब बनाने की दिशा में काम करती है। पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उनका मानना है कि यह सेवा विभिन्न संगठनों के बीच तालमेल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी है और भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश की क्षमता बढ़ाने में अत्यधिक मदद करेगी। राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप कार्यक्रम जिला स्तर पर कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह युवाओं के कौशल और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।

Hindustan, 04.05.2023, Pg. 8